



सोया कृषकों के लिए सलाह Advisory for Soybean Farmers



फोन : 0731-2476188, Fax: 2470520
वेब साइट : <https://isrindore.icar.gov.in>
ई मेल : director.soybean@icar.gov.in / dsrddirector@gmail.com

YouTube लिंक: YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8lxAuSyQ>
Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553>
फेसबुक: <https://www.facebook.com/icar.nsr/>
X: @ICARNSRI Whatsapp & Telegram: NSRI Soy Farmers

© ICAR-NSRI

यह विस्तार बुलेटिन सोया कृषकों के सार्वजनिक हित में और विशुद्ध रूप से भारत भर के सोयाबीन उत्पादकों के लाभ के लिए जारी की गई है। यह आईसीएआर-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान और सोयाबीन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वैज्ञानिकों की बौद्धिक सम्पदा है। सोया कृषकों के अतिरिक्त किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा किसी प्रकार का व्यावसायिक/लाभ कमाने के लिए इसका आंशिक/संपूर्ण उपयोग ICAR-NSRI को बिना उचित श्रेय दिए सख्त वर्जित है।

Disclaimer: This document/Advisory is issued in the public interest and purely for the benefit of the soybean growers across India. This is the sole intellectual output of scientists of ICAR-National Soybean Research Institute, and All India Coordinated Research Project on Soybean. Its use by any organization (other than farmers) for any commercial/profit making as part/whole/copying without giving due credit is strictly prohibited.



फ़ाइल क्रमांक: टेक 10-6/2025

दिनांक: 16.06.2025



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers (16-22 जून 2025 / 16-22 June 2025)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में मानसून के आगमन एवं सोयाबीन फसल की बोवनी की स्थिति की की सम्भावना देखते हुए कृषकों को निम्न सस्य क्रियाओं को अपनाने की सलाह दी जा रही है।

Considering the arrival of monsoon in major soy growing areas as well as optimum time of sowing, farmers are suggested to follow following measures.

- बोवनी का समय :** जून माह के दूसरे पखवाड़े से सोयाबीन की बोवनी के लिए उपयुक्त समय होता है। लेकिन सलाह है कि अपने क्षेत्र में मानसून के आगमन तथा न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने के पश्चात ही सोयाबीन की बोवनी करें। देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सोयाबीन बोवनी का उपयुक्त समय, बीज दर एवं कतारों की दूरी बाबत जानकारी तालिका 1 में दी जा रही है।
Optimum Time of Sowing: The optimum time for sowing of soybean crop is second fortnight of June. However, farmers are advised to go for sowing only after the onset of monsoon and receipt of 100 mm rainfall in your area. The zone-wise information on optimum time of sowing, spacing and seed rate is given in Table-1.

क्षेत्र Zone	उचित बुआई का समय* Optimum Time of Sowing	बीज दर Seed Rate (kg/ha (कि.ग्रा./हे)	कतारों की दूरी (सेमी.) Row Spacing cm
मध्य (Central)	जून June 20- 5जुलाई/July	65-80	30-45
उत्तर पूर्वी पहाड़ी (North-East Hill)	15- 30जून/June	55	45
उत्तर मैदानी (Northern Plain)	जून June 20- 5जुलाई/July	65	45
पूर्वी (Eastern)	15- 30जून/June	55	45
दक्षिण (Southern)	15- 30जून/June	65	30

2.	<p>किस्मों की विविधता: प्रत्येक वर्ष एक ही किस्म की खेती के विपरीत अपने जलवायु क्षेत्र के लिए अनुकूल विभिन्न समयावधि में पकनेवाली न्यूनतम 2-3 नोटिफाइड सोयाबीन की किस्मों की खेती करें. देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुशंसित एवं नोटीफाइड किस्मों की जानकारी तालिका 2 में दी जा रही है.</p> <p>Selection of Varieties: Instead of sowing single popular variety every year, cultivation of more than 2-3 soybean varieties (having varied maturity duration) is advised. The zone-wise list of notified soybean varieties recommended for different areas is given in Table-2.</p>							
	<p>मध्य प्रदेश/मालवा के ऐसे किसान जो सोयाबीन के बाद आलू, प्याज, लहसुन जैसी फसल लेकर गेहूं/चना लगाते हो, सोयाबीन की शीघ्र समयावधि वाली किस्म को लगाये. उसी प्रकार वर्ष में केवल दो फसलें लेने वाले कृषक मध्यम/अधिक समय परिपक्वता अवधि वाली किस्मों का चयन करें.</p> <p>Farmers of Malwa/Madhya Pradesh who prefer to grow three crops in succession (Soybean: Potato/Garlic/Onion-wheat for example) may select short duration soybean varieties. Similarly, those who are able to take only one succeeding crop after soybean (Wheat/Chickpea) are advised to select medium/long duration soybean varieties for ensuring maximum soybean yield.</p>							
3.	<p>अंतरवर्ती फसलों का प्रयोग: असिंचित क्षेत्रों में जहां रबी की फसल लेना संभव नहीं हो वहां सोयाबीन के साथ अरहर की अंतर्वर्तीय फसल उगाना अधिक लाभकारी है। जबकि सिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ मक्का, ज्वार, कपास, बाजरा, आदि अंतर्वर्तीय फसलों की काशत करें, जिससे रबी फसल की बोवनी पर प्रभाव न पड़े। इसी प्रकार फल बागों में बीच की खाली जगह में भी सोयाबीन की खेती की जा सकती है।</p> <p>Intercropping in Soybean: Growing of soybean with Pigeonpea in 4:2 is found most remunerative in case of rainfed farming systems. Whereas, intercrops like maize, sorghum, cotton, pearl millet mature along with the main crop facilitating sowing of subsequent <i>rabi</i> crops, are therefore recommended. Similarly, the intercropping is also recommended in between the orchards.</p>							
4.	<p>बीज की गुणवत्ता: बोवनी के लिए चयनित किस्मों के बीज का अंकुरण परिक्षण न्यूनतम 70% अंकुरण सुनिश्चित करें.</p> <p>Quality Test of Available Seed: Carry out germination test for available seed of selected soybean varieties which should be minimum 70%.</p>							
5.	<p>पोषण प्रबंधन: अपने खेत की उर्वराशक्ति बनाये रखने हेतु बोवनी से पहले ही अनुशंसित कार्बनिक खाद (गोबर की खाद/कम्पोस्ट @ 5-10 टन/हे या मुर्गी की खाद @2.5 टन/हे.) डालें. इसके अतिरिक्त सोयाबीन फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों (25:60:40:20 कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर) की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुशंसित पोषक तत्वों की आवश्यकता एवं उनकी पूर्ति हेतु स्रोतों के विभिन्न विकल्प तालिका 2 में दी जा रही हैं.</p> <p>Fertilizer Application: In addition to organic manures (FYM @ 5-10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha applied before sowing), farmers are advised to apply the recommended quantity of all the nutrients (25:60:40:20 N:P₂O₅:K₂O:S kg/ha). The nutritional dose recommended for different areas of the country are given below:</p>							
	<table border="1"> <thead> <tr> <th>क्षेत्र Zone</th> <th>एन:पी:के:एस (कि.ग्रा./हे.) NPKS (kg/ha)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>मध्य (Central)</td> <td>25:60:40:20</td> </tr> </tbody> </table>	क्षेत्र Zone	एन:पी:के:एस (कि.ग्रा./हे.) NPKS (kg/ha)	मध्य (Central)	25:60:40:20	<table border="1"> <thead> <tr> <th>उर्वरकों के स्रोत एवं मात्रा Fertilizer Sources and Quantity</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>56 कि.ग्रा यूरिया, 375कि.ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 67कि.ग्रा .स्युरेट ऑफ पोटाश</td> </tr> </tbody> </table>	उर्वरकों के स्रोत एवं मात्रा Fertilizer Sources and Quantity	56 कि.ग्रा यूरिया, 375कि.ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 67कि.ग्रा .स्युरेट ऑफ पोटाश
क्षेत्र Zone	एन:पी:के:एस (कि.ग्रा./हे.) NPKS (kg/ha)							
मध्य (Central)	25:60:40:20							
उर्वरकों के स्रोत एवं मात्रा Fertilizer Sources and Quantity								
56 कि.ग्रा यूरिया, 375कि.ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 67कि.ग्रा .स्युरेट ऑफ पोटाश								

दक्षिण (Southern)	25:80:20:30	56 कि.ग्रा यूरिया, 500कि.ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 34कि.ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर मैदानी (Northern Plain)	25:75:25:37.5	56 कि.ग्रा यूरिया, 470कि.ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 42कि.ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र एवं पूर्वी क्षेत्र (North-East Hill) and Eastern Zone	25:100:50:50	56 कि.ग्रा यूरिया, 625कि.ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि.ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश




मध्य क्षेत्र के लिए अनुशंसित उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा 25:60:40:20 kg/NPKS/ha की पूर्ति हेतु विभिन्न विकल्प निम्नानुसार हैं,


1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्युरेट ऑफ़ पोटाश अथवा
2. डी.ए.पी 125 किग्रा .+ 67 किग्रा म्युरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर अथवा
3. मिश्रित उर्वरक 1232:16: @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे+ 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर
4. आवश्यकताअनुसार 25 kg जिंक सल्फेट (Zinc Sulphate) +50 kg आयरन सल्फेट (Iron Sulphate)

The nutritional dose for the central zone can be supplied through any one of the fertilizers combinations: (1) 56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MoP OR (2) DAP @125 kg + 67 Kg MOP+ 25 kg bentonate Sulphur OR (3) complex fertilizers like 12:32:16 (200 kg/ha) + 25 kg bentonate Sulphur along with need based application of Zinc Sulphate (@25 kg/ha) and Iron Sulphate (@50 kg/ha). Farmers may broadcast the fertilizers sources just before sowing (Table-3) or through use of seed-cum-fertilizer seed drill during sowing.

6. कतारों/पौधों की दूरी, गहराई एवं बीज दर.: देश के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुशंसित बोवनी की तिथियां, बीज दर तथा उर्वरकों की मात्रा सम्बंधित जानकारी परिशिष्ट अ में दी जा रही हैं. जबकि, मध्य क्षेत्र विशेषकर मध्य प्रदेश के सोया कृषकों को सलाह है कि वे कृपया बोवनी के समय निम्न सस्य क्रियाओं का अनुपालन करे. The zone-wise details of sowing time, seed rate and nutritional dose is given in Annexure-A. However, the farmers of Central Zone especially Madhya Pradesh are suggested to adopt following agronomic practices.

सोया किस्म का प्रकार/सस्य क्रिया Growth Habit of variety/ Agronomic Practice	शीघ्र पकनेवाली/सीधी बढवार वाली सोया किस्में Erect Type/ Early variety	मध्यम समयावधी/फैलने वाली किस्में Spreading/Medium duration
कतारों की दूरी row spacing	30 सेमी/cm	45 सेमी/cm
पौधों की दूरी plant spacing	5-7 सेमी.cm	5-10 सेमी/cm.
बीज दर seed rate*	80-90 किग्रा/हे (kg/ha)	65-70 किग्रा/हे kg/ha.
बीज की गहराई sowing depth	2-3 सेमी cm.	2-3 सेमी cm.
बोवनी की पद्धति Sowing method	बी.बी.एफ./रिज-फरो/रिज बेड/परंपरागत सीड ड्रिल द्वारा Using BBF/FIRB/Raised Bed method	

7.	<p>विगत कुछ वर्षों से फसल में सुखा, अतिवृष्टि या असामयिक वर्षा जैसी घटनाये देखि जा रही हैं. ऐसी विपरीत परिस्थितियों में फसल को बचाने हेतु सलाह हैं कि सोयाबीन की बोवनी के लिए बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्राणाली का चयन करें तथा सम्बंधित यन्त्र या उपकरणों का प्रबंध करें.</p> <p>The unfavorable incidences like drought or heavy rains for prolonged period as well incessant rains are increasingly experienced in recent years. The soybean farmers are requested to use Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow. This will facilitate managing the crop both in case of waterlogging as well as drought situation.</p>	 <p>चौड़ी क्यारी (BBF) पद्धति से बोवनी</p> <p>कुड-मेड (रिज फरो) पद्धति से बोवनी</p>																					
8.	<p>फफूंदनाशक एवं कीटनाशक से बीजोपचार: सोयाबीन फसल की प्रारंभिक अवस्था में रोग तथा कीटों से बचाव के साथ-साथ उपयुक्त पौध संख्या सुनिश्चित करने हेतु सोयाबीन में बीजोपचार अत्यंत आवश्यक हैं. इसके लिए अनुशंसित FIR विधि में शामिल फफूंदनाशक एवं कीटनाशकों की सूची एवं मात्रा निम्नानुसार हैं. In order to save early stage crop from diseases and insects and ensure proper plant population, it is recommended to treat the seed with fungicides and insecticides using FIR sequence .</p>																						
	<table border="1"> <thead> <tr> <th>उपचार विधि एवं रसायन (Method/Chemical)</th> <th>मात्रा Dose</th> <th>रोग Disease</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>अ .बौवनी के समय बीजोपचार</td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस. Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS</td> <td>10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज</td> <td>चारकोल रॉट, एन्थ्रेक्नोज एवं बड ब्लाइट, कॉलर रॉट, रूट रॉट, पर्पल सीड स्ट्रेन, फ्राग आई लिफ स्पॉट, नवजात पौध सडन जैसे बीज जनित रोग Charcoal Rot, Anthracnose, Bud Blight, Collar Rot, Root Rot, Purple Seed Strain, Frog Eye Leaf Spot, seedling rot and seed borne diseases</td> </tr> <tr> <td>पेनफ्लूफेन+ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन FS Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28% w/w FS</td> <td>0.8-1.0 मि.ली./कि.ग्रा. बीज</td> <td></td> </tr> <tr> <td>कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5% Carboxin37.5%+ Thiram37.5% WS</td> <td>3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज</td> <td></td> </tr> <tr> <td>कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस. Carbendazim + Mancozeb WP</td> <td>3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज</td> <td></td> </tr> <tr> <td>फ्लुक्सापय्रोक्साड Fluxapyroxad 333 g/l SC</td> <td>1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज</td> <td></td> </tr> </tbody> </table>	उपचार विधि एवं रसायन (Method/Chemical)	मात्रा Dose	रोग Disease	अ .बौवनी के समय बीजोपचार			एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस. Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज	चारकोल रॉट, एन्थ्रेक्नोज एवं बड ब्लाइट, कॉलर रॉट, रूट रॉट, पर्पल सीड स्ट्रेन, फ्राग आई लिफ स्पॉट, नवजात पौध सडन जैसे बीज जनित रोग Charcoal Rot, Anthracnose, Bud Blight, Collar Rot, Root Rot, Purple Seed Strain, Frog Eye Leaf Spot, seedling rot and seed borne diseases	पेनफ्लूफेन+ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन FS Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28% w/w FS	0.8-1.0 मि.ली./कि.ग्रा. बीज		कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5% Carboxin37.5%+ Thiram37.5% WS	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज		कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस. Carbendazim + Mancozeb WP	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज		फ्लुक्सापय्रोक्साड Fluxapyroxad 333 g/l SC	1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज		
उपचार विधि एवं रसायन (Method/Chemical)	मात्रा Dose	रोग Disease																					
अ .बौवनी के समय बीजोपचार																							
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस. Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज	चारकोल रॉट, एन्थ्रेक्नोज एवं बड ब्लाइट, कॉलर रॉट, रूट रॉट, पर्पल सीड स्ट्रेन, फ्राग आई लिफ स्पॉट, नवजात पौध सडन जैसे बीज जनित रोग Charcoal Rot, Anthracnose, Bud Blight, Collar Rot, Root Rot, Purple Seed Strain, Frog Eye Leaf Spot, seedling rot and seed borne diseases																					
पेनफ्लूफेन+ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन FS Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28% w/w FS	0.8-1.0 मि.ली./कि.ग्रा. बीज																						
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5% Carboxin37.5%+ Thiram37.5% WS	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज																						
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस. Carbendazim + Mancozeb WP	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज																						
फ्लुक्सापय्रोक्साड Fluxapyroxad 333 g/l SC	1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज																						
9.	<p>जैविक कल्चर से टीकाकरण: सोयाबीन की बोवनी करते समय बीज को जैविक कल्चर ब्रेडीरायबियम + पी.एस.एम् प्रत्येकी 5 ग्राम/किग्रा .बीज कि दर से करे .कृषकगण रासायनिक फफूंद नाशक के स्थान पर जैविक फफूंद नाशक ट्रायकोडर्मा (10 ग्राम/किग्रा बीज) का भी उपयोग कर सकते है जिसको जैविक कल्चर के साथ मिलकर प्रयोग किया जा सकता हैं. (बीजोपचार एवं टीकाकरण में निश्चित क्रम (फफूंदनाशक-कीटनाशक-जैविक कल्चर का अनुपालन करें).</p>																						

	Seed Inoculation: During sowing, it is advised to inoculate the seed with <i>Bradyrhizobium japonicum</i> and PSM cultures both @ 5 g/kg seed should be done just before sowing. As an alternative to chemical fungicides, farmers also have an option of using bio-fungicide i.e. <i>Trichoderma viride</i> (10 g/kg seed) which can be mixed along with organic cultures. The seed should be treated in FIR order i.e. treat first with fungicide followed by insecticide and then by <i>Bradyrhizobium</i> culture	
10	खरपतवारनाशी का प्रयोग: कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित बौवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (तालिका 4) . कृषकों को सलाह है कि खरपतवारनाशकों के उपयोग हेतु पर्याप्त पानी (नेपसेक स्प्रेयर से प्रति हेक्टर 450-500 लीटर जबकि पाँवर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे.) का उपयोग करें.	
	Use of herbicides for weed control: Farmers have a choice of selecting any one among various recommended Pre-emergence herbicides (Table-4) as per his convenience. It is suggested to use sufficient water (450-500 liter using knapsack sprayer or 120 liter in case of power sprayer)	

सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशक Recommended PPPI and Pre-emergence Herbicides in Soybean (as per the list of CIB released on 31.03.2025)

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार Type of Herbicide	रासायनिक नाम Technical Ingredient	मात्रा/हेक्टे. Dose/he
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (पीपीआई) PPI Herbicides	डायक्लोसुलम+ पेण्डीमिथालीन (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 ली.
		Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE (22.5 + 875 a.i./ha)	
		पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.
		फ्लूक्लोरलिन Fluchloralin 45% EC	2.22-3.33 ली.
2	बौवनी के तुरन्त बाद (पीई) PE Herbicides	डायक्लोसुलम+ पेण्डीमिथालीन (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 ली.
		Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE	
		डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी. Diclosulam 84% WDG	26 ग्राम
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी. Sulfentrazone 39.6% w/w SC	0.75 ली.
		क्लोमोझोन 50 ई.सी. Clomazone 50% EC	1.50 - 2.00 ली.
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी. Pendimethalin 30% EC	2.50-3.30 ली.
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस. Pendimethalin 38.7% CS	1.50-1.75 कि.ग्रा.
		फ्लूमिआक्साज़िन 50 एस.सी. Flumioxazin 50% SC	0.25 ली.
		मेट्रीब्युज़िन 70 डब्ल्यू.पी. Metribuzin 70% WP	0.75-1.00 कि.ग्रा.
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन Sulfentrazone 28% + Clomazone 30% WP	1.25 ली.
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी. Pyroxasulfone 85% w/w WG	150 ग्रा.
		मेटालोक्लोर 50 ई.सी. Metalochlor 50 EC	2.00 ली.
